Toppersnotes®
Unleash the topper in you

3rd – ग्रेड

अध्यापक

लेवल – प्रथम

कार्यालय निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा
राजस्थान बीकानेर

भाग – 5

सामान्य अध्ययन

SIERRA INNOVATIONS

3RD GRADE LEVEL - 1

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ट सं.
	सामाजिक अध्ययन	
1.	मुगल साम्राज्य	1
2.	राजस्थान की अर्थव्यवस्था	17
3.	पृथ्वी के प्रमुख स्थलरूप	65
4.	भारत प्राकृतिक वनस्पति, वन्य जीव व वन्य जीव संरक्षण	95
5.	राजस्थान में कृषि	99
6.	भारतीय संविधान	117
7.	राजस्थान का संविधान निर्माण में योगदान	129
8.	राजस्थान में लोक प्रशासन	131
9.	सामाजिक अध्ययन की संकल्पना एवं प्रकृति	137
10.	सामाजिक अध्ययन में शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री	140
11.	सामाजिक अध्ययन में अध्यापन संबंधी समस्याएँ	142
12.	प्रायोजना कार्य	144
13.	सामाजिक अध्ययन में मूल्यांकन, निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षण	146
	राजस्थान का सामान्य ज्ञान	
1.	राजस्थान के प्रतीक चिह्न	150
2.	राजस्थान में राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाएँ	153
3.	राजस्थान के प्रमुख अनुसंधान केन्द्र	155
4.	राजस्थान के धार्मिक स्थल	156
5.	राजस्थान के प्रमुख खिलाड़ी	164
6.	राजस्थान के प्रसिद्ध नगर एवं स्थल	166
7.	राजस्थान के प्रमुख उद्योग	168
8.	राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था	173
9.	राजस्थान में जन कल्याणकारी योजनाएँ	201

मुगल साम्राज्य

बाबर – बाबर तैमूर लंग का वंशज था। बाबर ने अपनी आत्मकथा तुजुक–ए–बाबरी में लिखी है कि इसे भारत पर आक्रमण के लिए पंजाब के सूबेदार दौलत खाँ लोदी ने आमंत्रित किया। बाबर ने भारत पर प्रथम आक्रमण 1519 ई. में बजौर पर किया। जिसमें इसने तोपों का प्रयोग किया। भारत का सबसे शक्तिशाली शासक राजा कृष्णदेवराय को बताया।

- पानीपत के युद्ध (1526) के बाद भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना हुई।
- बाबर के समय चितौड़ का शासक राणा सांगा था।

बयाना का युद्ध (फरवरी 1527) – इस युद्ध में सांगा ने मुगल सेना को पराजित कर बयाना के किले पर अधिकार कर लिया।

खानवा का युद्ध (मार्च 1527) – इस युद्ध में राणा सांगा ने पाली परवन के तहत राजस्थान के प्रत्येक सरदार व शासक को अपनी ओर से लड़ने का निमंत्रण दिया। राणा सांगा अन्तिम हिन्दू शासक था जिसके नेतृत्व में सभी राजपूत एक साथ एक झण्डे के नीचे विदेशियों को निकालने के लिए लड़े।

- इस युद्ध में बाबर ने राणा सांगा को पराजित कर दिया। बाबर ने अपनी सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए तमगा कर समाप्त कर दिया व जिहाद का नारा दिया।
- इस युद्ध के बाद बाबर ने गाजी की उपाधि धारण की।
- खानवा युद्ध में राणा सांगा के राजकीय चिह्न झाला अज्जा ने धारण किये।
- राणा सांगा की ओर से चन्देरी से मेदिनीराय, आमेर के राजा पृथ्वीराज, जोधपुर से राजा गांगा का पुत्र मालदेव, हसन खाँ मेवाती, वीरमदेव एवं महमूद लोदी ने भाग लिया।

चन्देरी का युद्ध – (29 जनवरी 1528 ई.)

राजा मेदिनीराय v\s बाबर
विजय– बाबर

घाघरा का युद्ध – 1529

महमूद लोदी v\s बाबर
विजय – बाबर

हुमायूँ – 1530 से 1556

- लेनपुन ने कहा था कि ''हुमायूँ जिन्दगी भर लड़खडाता रहा और लड़खड़ाते ही मर गया।

चौसा का युद्ध – 26 जून 1539 ई.

शेर खाँ v\s हुमायूँ
विजय – शेर खाँ

- इसके बाद शेर खाँ ने शेरशाह सूरी की उपाधि धारण की। इस युद्ध से भागते हुए हुमायूँ को निजाम रुवका ने नदी पार करवायी थी। जिसे बाद में हुमायूँ ने एक दिन का सम्राट बनाया था जिसने चमड़े के सिक्के चलाये थे।

कन्नौज/बिलग्राम का युद्ध – 17 मई, 1540

- इस युद्ध में शेरशाह सूरी ने हुमायूँ को पूर्ण रूप से पराजित कर दिया और दिल्ली का शासक बन गया।
- शेरशाह सूरी के बचपन का नाम फरीद खाँ था।
- रुपये का सिक्का भारत में पहली बार शेरशाह सूरी के काल में चलाया गया।

- अकबर के काल में 1580 में 12 सूबे थे और 1601 में सूबे की संख्या 15 हो गयी।
- शाहजहाँ के काल में 18 सूबे हो गये।
- औरंगजेब के समय सूबों की संख्या–20/21 हो गयी, जो मुगलकाल मे सर्वाधिक थी।

8. प्रान्तीय दीवान
- राजस्व प्रमुख प्रान्त का

सरकार प्रशासन
1. फौजदार
- शासक के आदेशानुसार सरकार का शासन चलाने वाला सर्वोच्च अधिकारी।

2. अमल गुजार
- जिले का वित्त अधिकारी

3. वितिक्ची
- लगान व भूमि सम्बन्धि कागजात तैयार करना

4. अन्य पदाधिकारी
- मीर आतिश–शाही तोपखाने का प्रधान
- दीवान–ए–तन–वेतन विभाग का प्रमुख
- दरोगा–ए–टकसाल–टकसाल का प्रमुख
- मीर–ए–बहर–जल सेना का प्रधान
- वाकया नविस–सूबे में गुप्तचर विभाग का प्रमुख
- परगने का मुख्य अधिकारी–शिकदार
- परगने का वित्त अधिकारी–अमीर
- परगने का सर्वोच्च राजस्व अधिकारी–कानूनगो
- कारकून–लिपिक/लेखपाल
- शाहजहाँ के काल में परगना व सरकार के मध्य 'चकला' नामक इकाई का गठन किया गया।
- सबसे छोटी बस्ती–नगला

सैन्य प्रशासन
मुगल सेना का गठन दशमलव पद्धति पर आधारित था।

1. अहदी सैनिक
- राज्य की ओर से वेतन समान मिलता था।

2. दाखिली सैनिक
- मनसबदारों के नियन्त्रण में